पीपुल्स प्रवक्ता
WWW.PEOPLESPRAVAKTA.COM

बर्मिंघम का किला भेदने उतरेगी आज भारतीय टीम

बर्मिंघम। भारत और इंग्लैंड के बीच बुधवार से बर्मिंघम के एजबेस्टन में दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-1 से पीछे चल रही भारतीय टीम की नजरें सीरीज में वापसी करने पर टिकी होंगी। भारत के लिए बर्मिंघम टेस्ट में वापसी करना आसान नहीं होगा। बर्मिंघम में 1967 से भारतीय टीम ने आठ मैच खेले हैं जिसमें सात में उसे हार का सामना करना पड़ा है, जबकि एक मुकाबला ड्रॉ रहा है।

पारंपरिक सोच से अलग हटकर लेने होंगे फैसले

भारत के सामने इस टेस्ट में सबसे बड़ी चुनौती टीम संयोजन है। पिछले टेस्ट में भारत तीन विशेषज्ञ तेज गेंदबाज, एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर, एक स्पिनर और सात बल्लेबाजों के साथ उतरा था। पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन गेंदबाज लक्ष्य का बचाव करने में असफल रहे थे जो भारत की हार का कारण बना था। लीड्स में गेंदबाजों ने जिस तरह निराशाजनक प्रदर्शन किया उसे देखते हुए भारत को ऐसे गेंदबाजों को चुनना होगा जो 20 विकेट ले सकें। एजबेस्टन की पिच बल्लेबाजों की मददगार मानी जाती है, ऐसे में चयन के मामले में टीम प्रबंधन को पारंपरिक सोच से अलग हटकर फैसले लेने होंगे। हेडिंग्ले में पहले टेस्ट के आखिरी दिन इंग्लैंड ने जब 371 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया तब भारतीय टीम प्रबंधन ने खुद स्वीकार किया था कि कुलदीप यादव की कमी टीम को खली। सहायक कोच रयान टेन डस्काटे ने कहा कि भारत टीम संयोजन तलाशने की कोशिश में है जिससे बल्लेबाजी की गहराई पर असर नहीं पड़े और ऐसे गेंदबाज भी हों जो 20 विकेट ले सकें।

स्पिनरों की भूमिका रहेगी अहम

बर्मिंघम में मौसम गर्म है और पिच पर ऊपर घास है लेकिन नीचे से यह सूखी है। इसी मैदान पर तीन साल पहले इंग्लैंड ने 378 रन का लक्ष्य हासिल करके सीरीज ड्रॉ कराई थी। पिछले कुछ साल में काउंटी क्रिकेट में इस मैदान पर काफी रन बने हैं। इस मैदान पर स्पिनरों की भूमिका अहम होगी और भारत को तय करना है कि वे रवींद्र जडेजा की मदद करने वाले वॉशिंगटन सुंदर को उतारेगा या विकेट लेने में माहिर कुलदीप को जगह मिलेगी। यह तो तय है कि भारत दो स्पिनरों के साथ उतरेगा।

नीतीश को मिलेगा मौका ?

पहले टेस्ट में शार्दुल ठाकुर तेज गेंदबाज ऑलराउंडर थे लेकिन संभव है कि बल्लेबाजी ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को दूसरे टेस्ट में जगह मिले। शार्दुल ने पहले टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया लेकिन एक टेस्ट के बाद बाहर करना भी ज्यादती होगी। जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता पर भी संदेह है। अगर वह दूसरा टेस्ट नहीं खेलते हैं तो तेज गेंदबाजी का जिम्मा मोहम्मद सिराज, आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा संभालेंगे।

इंग्लैंड के खिलाफ शतक जड़ने का मंधाना को हुआ फायदा

टी-20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में तीसरे स्थान पर

दुबई। भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना मंगलवार को आईसीसी महिला टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में एक पायदान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 की सीरीज के पहले मैच में शतक लगाया था। उस मैच में उन्होंने चोटिल हरमनप्रीत कौर की जगह कप्तानी भी की थी। मंधाना ने 62 गेंद में 15 चौकों और तीन छक्कों के साथ 112 रन बनाये थे जिसकी मदद से भारत ने 97 रन से जीत दर्ज की। मंधाना के अब 771 रेटिंग अंक हैं जो उनके कैरियर में सर्वोच्च हैं। वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज 774 अंक लेकर दूसरे और ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी 794 अंक के साथ पहले स्थान पर हैं। भारत की शेफाली वर्मा एक पायदान चढ़कर 13वें, जबकि हरलीन देयोल 86वें स्थान पर हैं। गेंदबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लौरेन बेल चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। पाकिस्तानी स्पिनर सादियो इकबाल शीर्ष पर हैं।

ऋषभ पंत के मुरीद हुए इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स, बताया खतरनाक खिलाड़ी

बर्मिंघम। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर सराहना की है और उन्हें दुनिया का खतरनाक खिलाड़ी बताया है। स्टोक्स का कहना है कि वह पंत को खेलते हुए देखना पसंद करते हैं। पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया था। दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट बुधवार से एजबेस्टन में खेला जाएगा।

स्टोक्स ने खुद को पंत का प्रशंसक बताया

स्टोक्स ने खुद को ऋषभ पंत का बड़ा प्रशंसक बताया। पंत के आक्रामक अंदाज को देखकर इंग्लैंड का कप्तान भी खुद को मुस्कुराने से नहीं रोक पाया था। स्टोक्स ने कहा, भले ही वह विपक्षी टीम में हो, लेकिन मुझे ऋषभ को क्रिकेट खेलते हुए देखना बहुत पसंद है। मुझे वो तरीका पसंद है जिससे वह खेल के सभी प्रारूपों में खेलता है। जब आप उसे स्वच्छंद होकर खेलने देते हैं तो फिर वही होता है जो पिछले सप्ताह हुआ था। इसका श्रेय उन्हें जाता है, उन्होंने मैच में दो शतक लगाए। हम जानते हैं कि ऋषभ जिस तरह से खेलता है, उससे हमें मौके मिलेंगे। लेकिन वह बहुत खतरनाक खिलाड़ी है।

बुमराह को लेकर चल रही अटकलों पर नहीं दिया ध्यान

सहायक कोच रयान टेन डस्काटे ने बताया था कि बुमराह दूसरे मैच में खेलने के लिए उपलब्ध हैं, लेकिन उन पर अंतिम फैसला टीम प्रबंधन लेगा। भारत ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि बुमराह इंग्लैंड में किन तीन टेस्ट मैचों का हिस्सा होंगे। उन्होंने एक मैच खेला है और उन्हें अब अगले चार मैचों में से दो में खेलना है। इंग्लैंड की टीम हालांकि बुमराह की उपलब्धता को लेकर चिंतित नहीं है और उसका ध्यान सीरीज में अपनी बढ़त मजबूत करने पर है। स्टोक्स ने बुमराह से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए कहा, यह भारत की समस्या है। वे इससे निपट लेंगे। मैं इंग्लैंड का कप्तान हूं। भारत अच्छी टीम है। वे हमेशा कड़ी टक्कर देते हैं, कड़ी मेहनत करते हैं। उसके खिलाड़ी बहुत जुनूनी हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल रहे खिलाड़ियों पर हमेशा दबाव होता है, लेकिन भारत की तरफ से विशेषकर क्रिकेट में खेलने पर अन्य टीमों की तुलना में अधिक दबाव होता है।

स्टोक्स से बुमराह की उपलब्धता के बारे में भी पूछा गया, लेकिन इंग्लैंड के कप्तान ने इस बारे में ज्यादा ध्यान नहीं दिया। स्टोक्स ने इसे भारत की समस्या बताया और कहा कि उन्हें उम्मीद है भारत दूसरे टेस्ट मैच में कड़ी चुनौती पेश करेगा। यह पहले से ही तय है कि बुमराह कार्यभार प्रबंध के चलते इस सीरीज में तीन मैच ही खेलेंगे। हालांकि, भारतीय टीम के

विनेश फोगाट के घर गूंजी किलकारी ओलंपियन ने बेटे को दिया जन्म

नई दिल्ली। रेसलर और जुलाना से कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने अपने जीवन में एक नया अध्याय जोड़ा है। उन्होंने दिल्ली के अपोलो अस्पताल में एक बेटे को जन्म दिया। विनेश ने 6 मार्च 2025 को इंस्टाग्राम पर एक खास पोस्ट के जरिए दी थी। उन्होंने अपने पति सोमवीर राठी के साथ एक खूबसूरत फोटो शेयर की थी।

विनेश के ससुर राजपाल राठी ने बताया कि विनेश फोगाट की डिलीवरी ऑपरेशन के जरिए हुई और पुरी तरह सुरक्षित रही, मां बेटा दोनों स्वस्थ हैं। बता दें कि, विनेश और सोमवीर राठकी शादी 14 दिसंबर 2018 को हुई थी। सोमवीर राठी भी पूर्व भारतीय पहलवान हैं। दोनों की पहली मुलाकात 2011 में हुई थी। तब दोनों रेलवे में नौकरी करते थे। धीरे-धीरे दोनों में दोस्ती हुई और फिर दोनों एक-दूसरे को दिल दे बैठे। इसके बाद सोमवीर राठी ने 2018 में एयरपोर्ट पर विनेश को प्रपोज किया और फिर शादी के बंधन में बंध गए। इन दोनों की शादी भी काफी अलग थी। दरअसल, विनेश फोगाट और सोमवीर राठी ने 7 नहीं, बल्कि 8 फेरे लिए थे। हिन्दु रीति रिवाज में शादी में 7 फेरे ही लिए जाते हैं। लेकिन इन दोनों ने आठवां फेरा सामाजिक मुद्दे यानी बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, बेटी खिलाओ को समर्पित किया था। जिसके चलते इनकी शादी काफी सुर्खियों में रही थी।

एटीएफ की कीमत में 7.5 प्रतिशत की भारी वृद्धि

नई दिल्ली। विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत में मंगलवार को 7.5 प्रतिशत की बड़ी वृद्धि की गई। दूसरी ओर, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में इस्तेमाल होने वाला एलपीजी 58.50 रुपये प्रति सिलेंडर सस्ता हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क दरों में बदलाव के कारण कीमतों में उतार-चढ़ाव हुआ है। सरकारी स्वामित्व वाले खुदरा ईंधन विक्रेताओं के अनुसार, कीमतों में तीन दौर की कटौती के बाद राष्ट्रीय राजधानी में विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमत 6,271.5 रुपये प्रति किलोलीटर या 7.5 प्रतिशत बढ़कर 89,344.05 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई। राजधानी देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है। यह वृद्धि अप्रैल से अब तक तीन मासिक किस्तों में लागू की गई कुल कटौती का आधा है। एटीएफ की कीमत आखिरी बार एक जून को 2,414.25 रुपये प्रति किलोलीटर (2.82 प्रतिशत) घटाकर 83,072.55 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई थी। उससे पहले एक मई को कीमतों में 4.4 प्रतिशत (3,954.38 रुपये प्रति किलोलीटर) की कटौती की गई थी और एक अप्रैल को 6.15 प्रतिशत (5,870.54 रुपये प्रति किलोलीटर) की भारी कटौती की गई थी। एटीएफ की कीमत में यह वृद्धि पिछले महीने ईरान पर इस्त्राइल के हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतों में आई तेजी कारण की गई है। इस वृद्धि से वाणिज्यिक एयरलाइनों पर बोझ बढ़ेगा, जिनके परिचालन लागत में ईंधन का हिस्सा लगभग 40 प्रतिशत होता है। मूल्य वृद्धि के प्रभाव पर एयरलाइनों से तत्काल कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हो सकी। मुंबई में एटीएफ की कीमत 77,602.73 रुपये प्रति किलोलीटर से बढ़ाकर 83,549.23 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई, जबकि चेन्नई और कोलकाता में इसकी कीमत क्रमश: 92,526.09 रुपये और 92,705.74 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई। वैट जैसे स्थानीय करों के आधार पर दरें अलग-अलग शहरों में अलग-अलग होती हैं। इसके साथ ही तेल कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 58.5 रुपये की कटौती की है। अब राष्ट्रीय राजधानी में वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत 1,665 रुपये और मुंबई में 1,616.50 रुपये होगी। यह वाणिज्यिक एलपीजी दरों में लगातार चौथी कटौती है। पिछली बार 1 जून को 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत में 24 रुपये की कटौती की गई थी।

भारत में बने डिफेंस सिस्टम पर बढ़ रहा दुनिया का भरोसा

कंपनियों को निर्यात ऑर्डर बढ़ने की उम्मीद

मुंबई। नाटो के सदस्य देशों ने बीते 25 जून को अपने डिफेंस बजट को बढ़ाने पर सहमति जताई है। इन देशों ने वित्त वर्ष 2035 तक अपने डिफेंस बजट को बढ़ाकर जीडीपी के 5 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा है, जो अभी केवल 2 प्रतिशक के आसपास है। नाटो देशों के इस बयान के बाद भी डिफेंस शेयरों में तेजी शुरू हो गई है। उद्योग का कहना है कि नाटो देशों के इस कदम से भारतीय डिफेंस कंपनियों को अधिक एक्सपोर्ट ऑर्डर मिलने की संभावना है। वहीं दूसरी और इनके लिए ज्वाइंट वेंचर के नए मौके भी खुल सकते हैं। पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज के निदेशक अमित महाजन ने अमर उजाला डॉटकॉम को बताया कि ऑपरेशन सिंदूर से यह साबित हो चुका है कि, भारत में बने डिफेंस सिस्टम ने बेहतर प्रदर्शन किया, वहीं चीन के बने डिफेंस सिस्टम बुरी तरह फेल हो गए, इससे भारत के डिफेंस सिस्टम को लेकर वैश्विक स्तर पर विश्वास बढ़ा है। भारत को अब चीन प्लस के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है और विश्व स्तर पर एक स्टेबल लैंड माना जाता है। यानी विश्व भारतीय रक्षा उत्पाद पर भरोसा करते हैं। भारत की टैक्नोलॉजी और यहां के कम बजट में बने डिफेंस सिस्टम फिल्ड प्रूवन यानी फिल्ड पर काम करते हैं, जिस पर विश्व को पूरा भरोसा हो गया है। जिसकी वजह भारतीय डिफेंस कंपनियों को अधिक एक्सपोर्ट ऑर्डर मिलने की संभावना है। उन्होंने बताया कई टेक्नोलॉजी अभी भारत में नहीं है, लेकिन उस क्षेत्र में अन्य देशों की कंपनियों के साथ समझौता कर उस टेक्नोलॉजी को भारत लाने पर जोर दिया जा रहा है। वे कहते हैं कि हमारे एंटी ड्रोन सिस्टम (दुश्मनों के ड्रोन को पहचान कर उसको गिराना)जिसको ऑपरेशन सिंदूर में सफलता मिली, हम उस पर तेजी से काम कर रहे हैं। वर्तमान समय में ड्रोन बैटरी द्वारा चलाए जाते हैं, लेकिन अब हाइड्रोजन पावर ड्रोन के इस्तेमाल पर काम किया जा रहा है। बैटरी से चलने वाले ड्रोन 12 घंटे तक उड़ान भर सकते हैं, जबकि हाइड्रोजन पावर ड्रोन की उड़ने क्षमता काफी अधिक होती है। साथ ही अब ड्रोन में ऑप्टिकल फाइबर कैमरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस नई तकनीक के कैमरों का इस्तेमाल सबमरीन और ड्रोन में किया जा रहा है, इसे ऑपरेटर सीधे कैमरे के जरिए से कंट्रोल करता है।

रक्षा क्षेत्र के लिए सेमीकंडक्टर निर्माण घरेलू स्तर किया जाना महत्वपूर्ण

आरआईआर पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के अध्यक्ष और निदेशक डॉ. हर्षद मेहता कहते हैं भारत डिफेंस क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जिसमें रिन्यूएबल एनर्जी और सेमीकंडक्टर के इकोसिस्टम को भी मजबूत किया जा रहा है। यह डिफेंस सेक्टर के सहायक है। मेक इन इंडिया की पहल के तहत सेमीकंडक्टर का निर्माण देश में किया जाना महत्वपूर्ण है। क्योंकि सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत रखने से रक्षा प्रौद्योगिकियों के लिए आयात पर निर्भरता कम हो जाती है। हमने हाल ही में 618 करोड़ के निवेश के साथ देश में सेमीकंडक्टर विनिर्माण की क्षमताओं को बढ़ावा दिया है, इससे महत्वपूर्ण डिफेंस सेक्टर में इस्तेमाल होने वाली प्रौद्योगिकियों के लिए आयात पर कम निर्भरत होना पड़ेगा। विशेषज्ञ बताते हैं कि भारत ऑपरेशन सिंदूर के बाद अपनी डिफेंस क्षमता और सर्विलांस क्षमताओं को मजबूत करने पर काम कर रहा है। इसके लिए सरकार की ओर से सशस्त्र बलों के लिए 52 सैटेलाइट को लॉन्च करने और एक व्यापक सैन्य अंतरिक्ष प्रोग्राम को तैयार करने का प्रस्ताव रखा गया है।

कमजोर ऋण वृद्धि और मार्जिन से बैंकिंग सेक्टर की आय पर पड़ा असर

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में बैंकों की आय में गिरावट देखने को मिल सकती है। आईआईएफएल कैपिटल की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार कमजोर कमजोर ऋण वृद्धि, कम मार्जिन, मौसमी रूप से नरम शुल्क आय और उच्च स्लिपेज बैंकिंग क्षेत्र के प्रदर्शन पर असर डाल सकते हैं। इसमें बताया गया कि पहली तिमाही में बैंकों का कर पश्चात लाभ (पीएटी) साल-दर-साल आधार पर 2 फीसदी और तिमाही आधार पर 4 फीसदी तक घट सकता है। रिपोर्ट में कहा गया कि तिमाही के दौरान कारोबारी गति धीमी रही। वहीं, प्रणाली-व्यापी ऋण और जमा वृद्धि कुछ हद तक स्थिर रही। प्रणाली ऋण वृद्धि दर पिछले वर्ष की 11 प्रतिशत से घटकर 9.6 प्रतिशत रह गई। 3 जून तक की तिथि पर, ऋण वृद्धि मात्र 0.4 प्रतिशत रही, जबकि आमतौर पर पहली तिमाही में यह 1.5 से 2.0 प्रतिशत के बीच होती है। सभी क्षेत्रों में ऋण वृद्धि धीमी रही, सिवाय एमएसएमई ऋण के, जिसमें वृद्धि दर मध्यम स्तर पर रही। गैर-सरकारी वित्तीय संस्थान (एनबीएफसी) ऋण स्थिर रहा, बबड़ी कंपनियों को सिर्फ 1 प्रतिशत का लाभ हुआ, वाहन ऋण में 6 प्रतिशत, और आवास व असुरक्षित ऋणों में 9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। रिपोर्ट के अनुसार पहली तिमाही में बैंकों के शुद्ध ब्याज मार्जिन में 8 से 25 आधार अंक की गिरावट हो सकती है। ऋण दरों में 10 से 20 आधार अंक की गिरावट ने जमा दरों में कमी से होने वाले लाभ को भी संतुलित कर दिया। दिसंबर 2024 से बचत खाता दरों में 20 से 350 आधार अंकों की कटौती की गई है। वहीं खुदरा सावधि जमा दरों में भी 20 से 100 आधार अंक की गिरावट आई है। थोक जमा दरों में भी 1 प्रतिशत तक की नरमी देखी गई। सिस्टम तरलता औसतन 2 लाख करोड़ रुपये के अधिशेष में रही, जो पिछली तिमाही में 1.7 लाख करोड़ के घाटे में थी। लेकिन कम ऋण मांग और घटती जमा दरों के चलते मई तक औसत मार्जिन में गिरावट आई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के औसत बकाया प्रसार में 9 आधार अंकों की गिरावट आई है।

प्रति व्यक्ति ऋण बढ़कर 4.8 लाख रुपये हुआ

होम लोन और गैर-आवासीय उधारी में तेज इजाफा

नई दिल्ली। भारत में व्यक्तिगत उधराकर्ताओं का औसत ऋण बोझ बीते दो वर्षों में तेजी से बढ़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2023 में जहां प्रति व्यक्ति औसत ऋण 3.9 रुपये लाख था, वो मार्च 2025 तक बढ़कर 4.8 लाख रुपये पर पहुंच गया है। प्रति व्यक्ति ऋण, सरकार के कुल ऋण का एक माप है, जो यह दर्शाता है कि प्रत्येक नागरिक पर कितना कर्ज बकाया है। होम लोन में पुराने उधारकर्ताओं की हिस्सेदारी अधिक ऋण स्तर में यह वृद्धि मुख्य रूप से उच्च रेटिंग वाले उधारकर्ताओं के कारण हुई है। साथ ही, आवास ऋण में तेजी से इजाफा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, कुल घरेलू ऋण का लगभग 29 प्रतिशत हिस्सा गृह ऋण (होम लोन) से जुड़ा है। हालांकि, आवास ऋणों में वृद्धि समग्र रूप से स्थिर बनी हुई है। दिलचस्प बात यह है कि नई लोन लेने वालों की तुलना में पुराने उधारकर्ता औसतन एक-तिहाई अधिक राशि का ऋण ले रहे हैं। हाल के वर्षों में भारत का घरेलू ऋण लगातार बढ़ रहा है। इसका मुख्य कारण वित्तीय क्षेत्र से उधारी में वृद्धि है। रिपोर्ट में लोन-टू-वैल्यू (एलटीवी) अनुपात का बढ़ना वित्तीय स्थिरता के लिए चिंता का विषय बन सकता है। 70 प्रतिशत से अधिक एलटीवी अनुपात वाले उधारकर्ता खातों की हिस्सदारी बढ़ रही है। इसके अलावा निम्न-रेटेड और अधिक ऋणग्रस्त उधारकर्ताओं के बीच जोखिम की स्थिति बनी हुई है। हालांकि, कोविड-19 महामारी के दौरान की अवधि की तुलना में इन स्तरों में काफी गिरावट आई है। हालांकि दिसंबर 2024 के अंत तक, घरेलू ऋण वर्तमान बाजार मूल्यों पर जीडीपी का 41.9 प्रतिशत था। यह अन्य उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमआई) की तुलना में अभी भी अपेक्षाकृत कम है। घरेलू ऋण की व्यापक श्रेणियों में गैर-आवसीय ऋण सबसे अधिक है। यह ऋण मुख्य रूप से उपभोग उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाते हैं। यह मार्च 2025 तक कुल घरेलू ऋण का 54.9 प्रतिशत हिस्सा था। गैर-आवासीय ऋण, जिसे संपत्ति पर ऋण भी कहा जाता है, एक प्रकार का ऋण है जो गैर-आवासीय संपत्ति (जैसे, वाणिज्यिक संपत्ति, कार्यालय स्थान, या औद्योगिक परिसर) को गिरवी रखकर लिया जाता है। रिजर्व बैंक ने दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उधारकर्ताओं की प्रोफाइल, ऋण प्रवृत्तियों और ऋण देने के पैटर्न में बदलाव की निगरानी के महत्व पर जोर दिया है।